आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :316 पृष्ठ -4 दिनांक 18 नबम्बर 2024 दिन सोमवार

झांसी हादसे की जांच रिपोर्ट CM योगी को सौंपी, इस वजह से अस्पताल के चिल्ड्रन वार्ड में लगी थी आग

झांसी के जिस मेडिकल कॉलेज में आग लगी थी उस पर सीएम योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंप दी गई

उत्तर प्रदेश स्थित झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज के NICU वार्ड में अग्निकांड से संबंधित रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी गई है. सूत्रों के अनुसार झांसी के मंडलायुक्त और डीआ. ईजी ने सीएम को रिपोर्ट सौंपी है. इस रिपोर्ट में आग लगने की वजह बताई गई है. सूत्रों के अनुसार इस अग्निकांड की वजह इलेक्ट्रिकल एक्सीडेंट है. झांसी के उच्चाधिकारियों को सीएम योगी को 12 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपनी थी. रिपोर्ट के अनुसार पूछताछ और जानक. री के बाद आई रिपोर्ट में माना गया कि ये कोई आपराधिक साजिश नहीं है. स्विच बोर्ड से उठी आग के कारण में आग लगी. NICU में स्प्रिंकलर नहीं था. स्प्रिंकलर न होने की बड़ी वजह यह थी कि बहुत छोटे बच्चों के वार्ड में पानी वाली सुविधा ठीक को मेडिकली ठीक नहीं माना जाता. इसलिए अलार्म लगा था. रिपोर्ट में किसी साजिश का कोई जिक्र नहीं है. इस घटना को एक्सीडेंट माना गया है. दूसरी ओर राज्य सरकार

ने शनिवार को मृतकों के माता–पिता को पांच–पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की. उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. योगी सरकार ने घटना पर क्या कहा?उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने घटना की त्रिस्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बच्चों की मौतों पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की. प्रयागराज के फूलपुर में शनिवार दोपहर को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से दर्दनाक त्रासदी हुई और 10 नवजातों की मौत हो गई. उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि अन्य बच्चों को बचाया जाए, हम राहत और बचाव प्रयासों का समन्वय करते हुए पूरी रात जागते रहे और इसीलिए यहां पहुंचने में देरी हुई. पुलिस और प्रशासन लगातार काम कर रहे हैं.

बदरीनाथ धाम के कपाट आज होंगे .शीतकाल के लिए बंद

चमोली जिले में स्थित भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट आज रात शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे. कपाट बंद करने की यह प्रक्रिया अत्यंत पवित्र और सांस्कृतिक महत्व से भरपूर है. भगवान बदरीनाथ के कपाट रविवार रात ठीक नौ बजकर सात मिनट पर बंद होंगे. इससे पहले दिनभर विशेष पूजा–अर्चना और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे. कपाट बंद होने से पहले रावल अमरनाथ नंबूदरी माता लक्ष्मी की सखी के रूप में स्त्री वेष धारण करेंगे. इस परंपरा के अनुसार, लक्ष्मी को मंदिर के गर्भगृह में विराजमान किया जाएगा. यह अनुष्ठान भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अटूट प्रेम और शीतकाल में लक्ष्मीजी के गर्भगृह में वास करने की परंपरा का प्रतीक है. धाम के कपाट बंद होने के दिन भगवान बदरीनाथ का फूलों से विशेष शृंगार किया जाता है. सुबह ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे मंदिर खोला जाएगा. इसके बाद साढ़े चार बजे अभिषेक पूजा होगी और दिन का भोग लगाया जाएगा. इस दौरान श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे. सायं छह बजकर 45 मिनट पर सायंकालीन पूजा आरंभ होगी. सात बजकर 45 मिनट पर रावल लक्ष्मी को मंदिर में प्रवेश कराएंगे. इसके बाद उद्धवजी और कुबेर जी को गर्भगृह से बाहर लाया जाएगा.अखंड ज्योति और घृत कंबल का अनुष्ठान रात आठ बजकर 10 मिनट पर भगवान की शयन आरती की जाएगी. इसके बाद कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू होगी. माणा गांव की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए घृत कंबल को भगवान को ओढ़ाया जाएगा और गर्भगृह में अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाएगी. यह ज्योति पूरे शीतकाल में जलती रहती है.कुबेर और उद्धव की गद्दी का प्रस्थान सोमवार सुबह उद्धव, कुबेर और आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी पांडुकेश्वर स्थित योग बदरी मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी. कुबेर और उद्धव की मूर्तियों को वहां विराजमान किया जाएगा. अगले दिन आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर के लिए रवाना होगी भग. वान बदरीनाथ के कपाट छह महीने तक बंद रहेंगे. इस दौरान भगवान की पूजा पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ में की जाएगी. कपाट बंद होने की यह अनूठी परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसमें धर्म, संस्कृति और परंपराओं का विशेष महत्व है. आज की इस पवित्र प्रक्रिया को देखने के लिए देशभर से श्रद्धालु बद. रीनाथ धाम में जुटे हैं. भगवान बदरीनाथ के दर्शनों के साथ श्रद्धालु इस पारंपरिक अनुष्ठान का हिस्सा बन रहे हैं.

बागपत में सफाईकर्मियों ने दी सामूहिक धर्म परिवर्तन और आत्मदाह की चेतावनी

सफाई कर्मियों ने नए ठेकेदार पर काम से हटाने और महिलाओं के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। नगर पालिका के सफाईकर्मियों ने रविवार सुबह ठेकेदार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और हवेली तिराहे पर कूड़ा डाल दिया। उन्होंने अफसरों पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन की चेतावनी दी और इस्लाम जिंदाबाद के नारे लगाए। वहां पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह सफाई कर्मियों को समझाकर शांत कराया। सफाई कर्मी अजय, राकेश, धर्मेंद्र, विमलेश आदि ने बताया कि वह नगर पालिका में पिछले 20–25 साल से सफाई कर्मी के रूप में काम कर रहे हैं। एक सप्ताह पहले नगर पालिका ने

सफाई का ठेका लोनी के एक ठेकेदार को दे दिया। आरोप लगाया कि ठेकेदार उन्हें नोटिस दिए बिना ही काम से हटाने की धमकी दे रहा है।ठेकेदार ने महिला सफाई कर्मियों के साथ अभद्रता भी की। इसके विरोध में उन्होंने प्रदर्शन कर शिकायत दी थी, लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वाल्मीकि समाज के लोग सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन कर इस्लाम धर्म कबूल कर लेंगे।

घने कोहरे के साथ यूपी में बढ़ी ठंड, क्या फिर होगी बारिश? मौसम विभाग ने दिया नया अपडेट

उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। रविवार सुबह यूपी घने कोहरे के आगोश में दिखा। इसके साथ ही ठंड में भी बढ़ोतरी महसूस हुई।

मौसम विभाग ने ठंड को लेकर अपडेट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है, इसकी वजह से तापमान में भी गिरावट देखी जा सकती है। इसी के साथ प्रदेश के कई जिलों में सुबह के समय कोहरा दिख रहा है। पश्चिम दक्षिण की और से आ रही हवा से वायु प्रदूषण कम हो गया है, साथ ही वातावरण में धुंध भी कम नजर आ रही है। इस के चलते पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय हो गया है,इसी वजह से रातऔर दिन के समय के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के दौरान बारिश की संभावना जताई है। बा. रिश के बाद मौसम में बदलाव देखा जा सकेगा। यदि बारिश नहीं होती है, तो आज भी तापमान में कोई खास परिवर्तन नहीं होगा। वहीं, आने वाले 2 से 3 दिनों में तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

आयुष्मान योजना को धोखा बताकर डॉक्टर ने महिला मरीज को आईसीयू से धक्के मारकर बाहर निकाला, रास्ते में हुई मौत

उत्तर प्रदेश के बरेली से एक मामला सामने आया है, जहां एक डॉक्टर ने आयुष्मान योजना को धोखा बताकर मरीज को अस्पताल से बाहर निकाल दिया। बरेली के दीपमाला अस्पताल के डॉ. सोमेश मेहरोत्रा ने आयुष्मान कार्ड धारक मरीज का इलाज करने से इनकार करते हुए उसे अस्पताल से निकाल दिया। दिल्ली ले जाते समय महिला की रास्ते में ही मौत हो गई।डॉक्टर पर आरोप है कि उन्हें आईसीयू में भर्ती ब्रेन स्ट्रोक की मरीज के बेटे से डॉक्टर ने अभद्रता की और उसे बुरा–भला भी सुनाया। उन्हें व मरीज को धक्के देकर बाहर निकालने को कहा। डाक्टर ने कहा, "आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने चला आया। सरकारी अस्पताल क्यों नहीं गया। वहां नेता और डॉक्टर मिलकर बजट खा जाते हैं। वहां दवा नहीं, चूरन–चटनी मिलती है। इस घटनाक्रम के बाद मरीज को अस्पताल से निकाल दिया गया। दिल्ली ले जाते समय उनकी मौत हो गई थी।"मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को शाहजहांपुर के मिर्जापुर निवासी विजय लक्ष्मी के बेटे मोहन गो. विंद गुप्ता ने एक बताया, सात नवंबर को मां को दीपमाला अस्पताल में भर्ती कराया तब कहा गया कि आयुष्मान कार्ड से उपचार हो जाएगा। इसके बावजूद तुरंत दवा व इंजेक्शन के नाम पर मेडिकल स्टोर से कई दवाएं मंगवाईं। अगले दिन तक एक लाख रुपये से ज्यादा खर्च हो गए। आठ नवंबर को डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा को पैसे खत्म होने की मजबूरी बताई।आयुष्मान कार्ड से उपचार की बात पर डॉक्टर साहब भड़क गए। उस दौरान किसी ने उनकी वीडियो बना ली और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे कि फ्री में उपचार नहीं, धोखा मिलेगा। छह हजार रुपये के इंजेक्शन की रसीद मांग रहे हो, ताकि उसे तुम बाहर जाकर दिखाओ और शिकायत कर दो।डीएम ने मामले का संज्ञान लेकर सीएमओ को जांच के निर्देश दिए। दो सदस्यीय टीम ने मरीज के परिजनों से फोन पर बात की तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। जांच अधिकारी एसीएमओ डॉ. राकेश के मुताबिक प्राथमिक जांच रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी है। सीएमओ डा. विश्राम सिंह का कहना है कि दीपमाला अस्पताल का नाम आयुष्मान योजना से निरस्त करने की संस्तुति करते हुए शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है। एसीएमओ डा. राकेश और डा. लईक अहमद अंसारी को जांच सौंपी गई है। तीमारदार के बयान के आधार पर जांच जारी रखेगी।

मेडिकल कॉलेज में दो करोड़ की लागत से बढ़ेगी ये सुविधा एमबीबीएस छात्रों को शोध करना होगा आसान

मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रों को शोध करने के लिए विशेष व्यवस्था होने जा रही है। इस पर करीब 2 करोड रुपए का खर्च आएगा। इसके लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। बहराइच मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रों को शोध करने के लिए जल्द ही मेडिकल कॉलेज में अत्यधिक सुविधाओं से लैस मॉर्च्युरी बनाई जाएगी। इसके निर्माण में करीब 2 करोड रुपये की लागत आएगी। जमीन चिन्हित होने के बाद शासन ने कार्यदाई संस्था नामित कर दी है।रू बहराइच जिले के स्वशासी मेडिकल कॉलेज एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय की मॉर्च्युरी अभी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (नेशनल मेडिकल कमिशन) के मानकों के आधार पर नहीं है। जिससे एमबीबीएस छात्रों को शव परीक्षण के दौरान बेहतर जानकारी नहीं मिल पाती है। इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को नए सिरे से प्रस्ताव भेजा था। इस पर शासन ने दो करोड़ की लागत से दो मंजिला मॉर्च्युरी के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। मेडिकल कॉलेज परिसर में इसका निर्माण हो जाने से एमबीबीएस छात्रों को शोध करने में सहूलियत मिलेगी।शव रखने से लेकर परिजनों के ठहरने तक व्यवस्था होगी बहराइच मेडिकल कॉलेज में नवीनतम तकनीक से लैस मॉर्च्युरी का निर्माण होने जा रहा है। इसमें आठ डेड बॉडी रखने की व्यवस्था होगी। प्रतीक्षालय और व्याख्यान कक्ष भी बनाया जाएगा। शवों को लेकर आने वाले परि. जनों को इधर–उधर रात बिताना पड़ता है। लेकिन दो मंजिला मॉर्च्युरी बनने के बाद शव रखने से लेकर परिजनों के रात में ठहरने की भी व्यवस्था रहेगी। बहराइच मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य संजय खत्री ने मीडिया को दी गई जानकारी में कहां कि दो करोड़ रुपये की लागत से दो मंजिला मॉर्च्युरी बनाई जाएगी। शासन ने कार्यदाई संस्था नामित कर दिया है। नई मॉर्च्युरी में सभी व्यवस्थाएं मौजूद रहेंगी।

गाजियाबाद में अतुल महेश्वरी छात्रवृत्ती परीक्षा देने आईएमएस यूनिवर्सटी कैंपस पहुंचे छात्र

अतुल महेश्वरी छात्रवृत्ती परीक्षा देने के लिए आईएमएस यूनिवर्सटी कैंपस में छात्र–छात्राएं प्रवेश करते हुए। अमर उजाला फाउंडेशन के माध्यम से संचा. लित की जाने वाली अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा–2024 के दूसरे चरण की परीक्षा 17 नवंबर (रविवार) को 27 शहरों के 29 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हो रही है।

फरीदाबाद समेत कई राज्यों के शहरों में अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा का आज आयोजन हो रहा है। इसी कड़ी में फरीदाबाद सेक्टर 15 स्थित विद्या मंदिर स्कूल आयोजित अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा देने छात्र पहुंचे। परीक्षा से पहले उनकी चेकिंग हुई और एडमिट कार्ड चेक भी किए।

गिटार बजाने में मस्त रहा अमेरिकी संगीतकार, डाक्टरों ने की ब्रेन की सर्जरी

बेंगलुरु के भगवान महावीर जैन अस्पताल के डॉक्टरों ने एक अमेरिकी संगीतकार के ब्रेन की सर्जरी सफलताप. ूर्वक की है। सर्जरी के दौरान मरीज को गिटार बजाने की अनुमति दी गई।ब. ेंगलुरु के भगवान महावीर जैन अस्पताल के डॉक्टरों ने एक अमेरिकी संगीतकार के ब्रेन की सर्जरी सफलतापूर्वक की है। दिलचस्प बात यह है कि सर्जरी के दौरान मरीज को गिटार बजाने की अनुमति दी गई। लॉस एंजिल्स के निवासी जोसेफ डिसूजा (65) को 'गिटा. रिस्ट डिस्टोनिया' नाम की बीमारी थी। इस बीमारी का कोई ज्ञात इलाज नहीं है। जोसेफ इस स्थिति के साथ करीब 20 साल तक रहे और अपनी तंत्रिका में यह छोटा सा सुधार करवाने के लिए संघर्ष करते रहे।भगवान महावीर जैन अस्पताल के पीआरएस न्यूरोसाइंसेज के स्टीरियोटैक्टिक एवं फंक्शनल न्यूरोसर्जन डॉ. शरण श्रीनिवासन तथा वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट और मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ डॉ. संजीव सीसी ने गिटारिस्ट डिस्टोनिया से पीड़ित मरीज का सफलता इलाज किया। डॉ. शरण श्री. निवासन ने कहा कि एमआरआई निद. ेशित स्टीरियोटैक्टिक न्यूरोसर्जरी विशेष सर्जनों द्वारा की जाती है, जिन्हें 'फंक्शनल न्यूरोसर्जन' कहा जाता है।श्री. निवासन ने बताया, हमने आरएफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) करंट का उपयोग करके वीओ थैलेमोटॉमी किया। इसका मतलब है मस्तिष्क के अंदर एक सर्किट को नष्ट करना या 'जला देना' है। इस लाइव सर्जरी में मरीज को सात घंटे की पूरी प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से जगे रहना पड़ता है दृ इसमें सिर पर एक टा. इटेनियम, स्टीरियोटैक्टिक फ्रेम को ठीक करना शामिल है, जिसमें आगे की तरफ दो स्क्रू और सिर के पीछे दो स्क्रू होते हैं, जो उसकी खोपड़ी में पेंच किए जाते हैं और फिर मस्तिष्क का एक विशेष 'स्टीरियोटैक्टिक एमआरआई' कैप्चर किया जाता है।उन्होंने कहा कि इसके बाद, ये एमआरआई इमेजेस विशेष सॉफ्टवेयर में लोड की जाती हैं, जिसमें संभावित 'गलत काम कर रहे मस्तिष्क सर्किट' को पहचाना और मैप किया जाता है। एक बार जब मस्तिष्क के अंदर गहरे स्थान पर स्थित वेंट्रालिस आ. ेरालिस नाभिक, जो मोटर थैलेमस में होता है, को लक्षित कर लिया जाता है और सिरध्खोपड़ी पर प्रवेश बिंदु निर्धारित कर लिया जाता है, तब सॉफ्टवेयर के द्वारा दोनों लक्ष्य और प्रवेश बिंदु के 'एक्स–वाई–जेड कोऑर्डिनेट्स' की गणना की जाती है। उन्होंने कहा कि जोसेफ के मामले में प्रवेश बिंदु से लक्ष्य तक की दूरी 10 सेमी थी।

उन्होंने कहा, "जैसे ही लक्ष्य बिंदु को उत्तेजित किया गया, जोसेफ को बाएं हाथ की चौथी और पांचवीं अंगुली में हल्की सुन्नताध्पैरैस्थेशिया का अनुभव हुआ! और ये ही उनकी समस्या वाली अंगुलियां थीं! इसका मतलब था कि हम अपने लक्ष्य को सटीक रूप से पहचानने में सफल रहे थे। इसके बाद 40–40 से. कंड के सात 'बर्न' दिए गए। पांचवें 'बर्न' के बाद ही मरीज ने कहा कि वह सामान्य महसूस कर रहा है। अब उसे एक से तीन महीने तक न्यूरो रिहैबि. लिटेशन की जरूरत है।

पढ़ाई से लेकर शादी तक के लिए होगा इंतजाम , जानिए बेटियों को लेकर क्या है प्रधानमंत्री की योजना

अगर आप भी अपनी बेटी के भविष्य के लिए एक अच्छी इन्वेस्टमेंट स्कीम ढूंढ रहे हैं तो सुकन्या समृद्धि योजना आपके लिए काफी मददगार साबित होगी। यह योजना भारत सरकार ने खास तौर पर बेटियों के भविष्य के लिए बनाई है।बेटी के जन्म से ही माता–पिता उसके भविष्य के लिए सेविंग्स करने लगते है। सेविंग्स के लिए लोग अलग–अलग जगह निवेश करते है। ताकि बेटी के बड़े होने तक उनके पास एक अच्छा खासा फंड जमा हो सके। इनमे सरकार की तरफ से भी कई योजनाएं (ेंदांदल ेंउतपककीप ल्वरंद) चलाई जाती है ताकि सभी श्रेणी के लोग उसका लाभ उठा सकें। आज हम आपको सरकार की एक ऐसी योजना के बारे बताएंगे जिसमें निवेश करने के बाद आपको अपनी बेटी के भविष्य की चिंता बिल्कुल नहीं होगी।अगर आप भी अपनी बेटी के भविष्य के लिए एक अच्छी इन्वेस्टमेंट स्कीम ढूंढ रहे हैं तो सुकन्या समृद्धि योजना आपके लिए काफी मद. दगार साबित होगी। यह योजना भारत सरकार ने खास तौर पर बेटियों के भविष्य के लिए बनाई है। इस योजना में अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको अच्छा रिटर्न मिलता है।कितना होगा इन. वेस्टमेंट?इस योजना की शुरुआत साल 2015 में भारत सरकार के द्वारा की गई थी। सुकन्या समृद्धि योजना में माता–पिता अपनी दो बेटियों के नाम, अगर दो बेटी जुड़वा हैं तो तीन बेटियों के नाम खाता खोल सकते हैं। इस योजना के तहत खोले गए बेटियों के खातों में सालाना कम से कम 250 रुपये तो वहीं अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं।कितना मिलेगा ब्याज? इस स्कीम के तहत इसमें निवेश करने पर आपको 8.2: की ब्याज दर से ब्याज दिया जाता है। इस योजना में आप बेटी

के 10 साल की होने से पहले उसका खाता खुलवा सकते हैं। योजना में आपको कम से कम 15 साल तक निवेश करना जरूरी होता है। जब बेटी 21 साल की होती है तो सुकन्या समृद्धि योजना का खाता मैच्योर हो जाता है। साथ ही इस खाते में जो भी राशि जमा होती है उसमें आपको इनकम टैक्स पर छूट भी मिलती है। योजना में निवेश के बाद खाता मैच्योर होने तक बेटी की शादी और उच्च शिक्षा के लिए काफी पैसे जमा हो जाते हैं।

रिजर्व बैंक को आया धमकी भरा कॉल, कहा– 'लश्कर–ए–तैयबा का CEO बोल रहा हूं

भारतीय रिजर्व बैंक को धमकी भरा कॉल शनिवार सुबह 10 बजे किया गया। कॉलर ने खुद को लश्कर ए तैयबा का सीईओ बताया। कॉल रिजर्व बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर आई थी। कथित तौर पर रिजर्व बैंक के सुरक्षा गार्ड को कॉल की गई। शख्स ने खुद को आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा का सीईओ बताते हुए कहा "पीछे का रास्ता बंद कर दो इलेक्ट्रिक कार खराब हो गई है। अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कराया जा चुका है। वहीं पुलिस के मुता. बिक ये किसी की शरारत भी हो सकती है।इससे पहले गुरुवार (15 नवंबर) को मुंबई के जेएसए लॉ फर्म बेलर्ड पेयर और जेएसए ऑफिस कमला मिल लोअर पर्ल को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल आया था। मेल कंपनी के ऑफिशियल आईडी पर आया था। भेजने वाले शख्स का नाम फरजान अहमद था। उसने लिखा था फर्म के कार्यालय और बेलार्ड एस्टेटऑफिस में बम रखा गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत ही जांच शुरू कर दी थी।इससे पहले फ्लाइट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। बीते गुरुवार (14 नवंबर) को मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अज्ञात शख्स ने मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ को फोन कर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। सीआईएसएफ कर्मचारी को आया था फोनइसके बाद एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों सहित अन्य लोग खौफजदा हो गए थे। धमकी देनेवाले शख्स ने सीआईएसएफ कर्मचारी को फोन कर कहा था कि एयरपोर्ट पर बम रखा हुआ है। जांच में सामने आया था कि मोहम्मद नामका व्यक्ति विस्फोटक सामग्री लेकर मुंबई से अजरबैजान जाने की योजना बना रहा था।स्कूल, होटल, ट्रेन को लेकर मिली थी फर्जी धमकी27 अक्टूबर को भी मुंबई एयरपोर्ट पर एक धमकी दी गई थी। कहा गया था कि अगर विमान उड़ा तो कोई भी यात्री जिंदा नहीं बचेगा। जांच में यह धमकी भी झूठी पाई गई थी। पिछले लगभग एक साल से देश में स्कूल, होटल, एयरपोर्ट, मार्केट, ट्रेन, बस आदि को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। हालांकि सभी फर्जी निकल रही हैं।

छात्रा से दुष्कर्म के प्रयास के दोनों आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र में नाबालिग छात्रा को दुष्कर्म की नीयत से सरेराह झाड़ियों में घसीट कर ले जाने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस ने जेल भेज दिया।शहर कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार को कोचिंग से लौट रही नाबालिग छात्रा को दो युवकों ने आवास विकास कॉलोनी के निकट झाड़ियों में खींचकर दुष्कर्म का प्रयास किया। चीख–पुकार सुनकर लोगों के आने पर दोनों आरोपी भाग निकले। पीड़ित के चाचा की तहरीर पर आरोपी शिवम एवं अंशुल निवासी आवास विकास कालोनी के खिलाफ सदर कोतवाली में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला पंजीकृत कराया। पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तार के प्रयास शुरू कर दिए। कोतवाली प्रभारी लोकेश भाटी को आरोपियों के क्षेत्र में होने की सूचना मिली। पुलिस बताए स्थान पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर आरोपी वहां से भागने लगे। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया। सदर सीओ आंचल चौहान ने बताया कि छात्रा के साथ हुई घटना के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को कार्रवाई कर जेल भेजा है।

मथुरा में दूधिया को नृशंसता से गला काटकर मार डाला

मथुरा में दूधिया की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दूधिया 10 मिनट तक खून से लथपथ जमीन पर तड़पता रहा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मथुरा के महावन थाना इलाके में शनिवार रात एक दूधिया की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने में जुटी है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।हाथरस के थाना मुरसान इलाके के गांव करील निवासी पंकज (26) सौंख खेड़ा के पास नगला धनुआ में मामा भोला के यहां रहता था। पंकज के मामा दूध का काम करते हैं। वह भी मामा के काम में हाथ बंटवाता था। शनिवार रात पंकज आसपास के गांव से दूध एकत्रित करके घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, यमुना एक्सप्रेस–वे के माइल स्टोन 115 के नीचे अज्ञात लोगों ने पंकज की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। राहगीरों ने बताया कि पंकज करीब 10 मिनट तक खून से लथपथ जमीन पर तड़पता रहा। आनन–फानन महावन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी देहात त्रिगुण विसेन ने बताया है कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक युवक के परिजनों को भी सूचना दे दी है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। हत्या किसने की और क्यों की इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इधर, हत्या की सूचना मिलने पर एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार समेत अन्य थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

बॉक्सर माइक टायसन ने किया ताज का दीदार, बोले– बेहद खूबसूरत है प्यार की ये इमारत

दुनिया के सबसे चर्चित बॉक्सरों में शुमार माइक टायसन ने पत्नी संग ताज का दीदार किया। इस दौरान उन्होंने ताज के साथ खूब फोटो ग्राफी भी कराई। दुनिया के सबसे चर्चित बॉक्सरों में शुमार माइक टायसन 30 सितंबर 2018 को अपनी पत्नी लाकिया स्पाइसर के साथ ताजमहल देखने आगरा आए थे। ताज का दीदार करने के बाद उनके मुंह से पहला शब्द 'शानदार' निकला था। माइक टायसन एक बार फिर चर्चा में आए हैं। वह 19 साल बाद शनिवार को फिर बॉक्सिंग रिंग में उतरे और अपनी उम्र से 31 साल छोटे जैक पॉल से मुक. ाबला कियाजैक पॉल अमेरिका के हैं। यह मुकाबला टेक्सास के एटी एंड टी स्टेडियम में हुआ। माइक टायसन की आंखों में वहीं जुनून था जो 90 के दशक में दिखता था। उन्होंने रिंग में वापसी कर फैंस के दिलों पर राज किया। 2005 में उन्होंने आखिरी प्रा. ेफेशनल फाइट खेली थी। इस फाइट का लाइव प्रसारण नेटफ्लिक्स पर किया गया था। फैंस के जुनून का आलम ऐसा था कि नेटफ्लिक्स का सर्वर करीब 6 घंटे तक प्रभावित रहा।44 मुकाबले नॉकआउट जीतेअपने खेल के करिअर में माइक टायसन ने 58 फाइट लड़ीं जिसमें से 50 में जीत हासिल की। उनमें 44 मुकाबले नॉकआउट जीते। 1986 में उन्होंने सबसे युवा हैवीवेट चौंपियन बनने का इतिहास रचा, जो आज भी रिकॉर्ड है।एक लैजेंड खिलाड़ी हैंइंटरनेशनल बॉक्सर ब्रजेश मीणा ने बताया कि माइक टायसन एक लैजेंड खिलाड़ी हैं। एक साल पहले वर्ष 2023 में उज्बेकिस्तान में डब्लू बी सी कन्वेंशन में मुलाकात हुई थी। उनको देखकर ही मेरा सपना पूरा हो गया था।

नगर निगम खाते में ही रखे है 106 करोड़, धूल खा रही फाइल

कानपुर नगर निगम के पास वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए 106 करोड़ रुपये होने के बावजूद समय रहते कार्य नहीं कराए गए। इस वजह से पारा लुढ़कने के साथ ही वायु प्रदूषण बढ़ने लगा है। अफसरों की इस लापरवाही की वजह से किसी भी दिन वायु की गुणवत्ता खतरे के स्तर तक जा सकती है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कभी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल रहे कानपुर शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए चार साल में पर्यावरण मंत्रालय के माध्यम से 337 करोड़ रुपए आवंटित हुए।वित्तीय वर्ष 2021–22 में 148 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह धन 74–74 करोड़ रुपये की दो किश्तों के रूप में दिया गया। शर्त यह थी कि इसे इसी मद में खर्च किया जाएगा। नगर निगम ने इससे सड़कों को गड्ढामुक्त करने के साथ ही कच्चे फुटपाथों पर इंटरलाकिंग टाइल्स बिछाने, मिनी जंगल विकसित करने के लिए मियावाकी पद्धति से पौधरोपण, पार्कों व ग्रीनबेल्ट आदि के कार्य शुरू किए। इससे हवा की गुणवत्ता में मामूली सुधार भी हुआ, पर वित्तीय वर्ष पूरा होने के बा. वजूद पूरे धन का उपयोग नहीं हो पाया।2022–23 में नहीं दी फूटी कौड़ी मंत्रालय ने इस पर नाराजगी जताने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2022–23 में इस मद में फूटी कौड़ी भी नहीं दी। जब पूर्व में आवंटित धन के इस्तेमाल के बाद परिणाम नजर आने लगे तो वित्तीय वर्ष 2023–24 में हवा की गुणवत्ता में और सुधार के लिए पहले 55 करोड़ आवंटित किए और उसका उपयोग एवं ऑडिट होने के बाद 28 करोड़ रुपये और जारी किए।सुधार के उपाय करने के लिए 106 करोड़ आवंटित किएइससे नगर निगम ने दो एंटी स्मॉग गन (पानी फेंकने वाली तोप), प्रमुख सड़कों की सफाई के लिए छह बड़ी रोड स्वीपिंग मशीनें, संकरी सड़कों की सफाई के लिए तीन मिनी रोड स्वीपिंग मशीनें, पैचवक ेके लिए दो लिटर पिकर मशीनें खरीदीं। बाबाकुटी चौराहे से किदवईनगर होते हुए यशोदानगर बाईपास के आगे श्रीराम चौक के पास तक ग्रीनबेल्ट विकसित की। इससे शहर में गुड–डे में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई। लगातार सुधार होते देख चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में 6 जून को नगर निगम को हवा की गुणवत्ता में और सुधार के उपाय करने के लिए 106 करोड़ रुपए आवंटित किए।

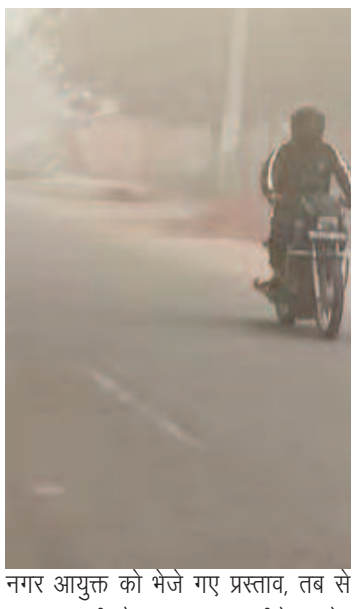

नगर आयुक्त को भेजे गए प्रस्ताव, तब से धूल खा रही है फाइल चार महीने पहले इस धन से सड़कों को गड्ढामुक्त करने, बचे फुटपाथों पर इंटरलाकिंग, बाबाकुटी चौराहे से यशोदानगर बाईपास होते हुए श्रीराम चौक तक सड़क के दूसरी तरफ समानांतर ग्रीनबेल्ट विकसित करने, उजड़े पार्कों को विकसित करने, मैके. निकल स्वीपिंग, क्लीनिंग मशीनें खरीदने, पौधरोपण आदि के लिए प्रस्ताव तैयार कर नगर आयुक्त सुधीर कुमार को भेजे गए, पर तब से फाइल धूल खा रही है।

मामूली बात पर दो पक्ष आमने–सामने, जमकर चले लाठी–डंडे. फायरिंग कर फैलाई दहशत एक दर्जन घायल

यूपी के सीतापुर में शनिवार रात जमकर फायरिंग हुई। मामूली बात पर दो पक्षों में विवाद होने लगा। दोनों पक्षों की तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। इसके साथ ही जमकर लाठियां चलीं। इस घटना में दोनों पक्षों के 12 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में पुरुष और महिलाएं शामिल हैं।घटना इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के कुसुमा गांव की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। यहां पांच लोगों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इंस्पेक्टर दयाशंकर मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जयंत चौधरी खैर पहुंचे , भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में है जनसभा

रालोद मुखिया जयंत चौधरी गौमत चौराहा के पास स्थित मैदान में आयोजित जनसभा स्थल पर पहुंच गए हैं। वह भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर के समर्थन में वोट मांगेंगे |राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी खैर के गौमत चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित करने पहुंच गए हैं। खैर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर के समर्थन में जनसभा का आयोजन किया गया है। मंच पर जयंत चौधरी का स्वागत किया गया। खैर में रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के पहुंचने से पहले जनता को रागिनी के माध्यम से वोट देने की अपील की जा रही है। नरदेव बेनीवाल गायक ने रागिनी गाकर जनता को मंत्रमुग्ध कर दिया। खैर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र दिलेर के समर्थन में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी गौमत चौराहे पर जनसभा को संबोधित करेंगे। रालोद जिलाध्यक्ष हम्वीर सिंह ने बताया कि रालोद मुखिया अपराह्न 2 बजे तक गौमत चौराहा के पास स्थित मैदान में आयोजित जनसभा में पहुंचेंगे। जनसभा के लिए मंच तैयार है और जनता भी लगातार पहुंचना जारी है। जनता को जयंत चौधरी के आने का इंतजार है।

अलीगढ़ के जवां में निकला आठ फुट लंबा अजगर, जिसे देख दुकानदारों के उड़े होश

अलीगढ़ जवां कस्बे के शास्त्री मार्केट के पीछे अजगर मिला। यह करीब आठ फुट लंबा था। दुकानदारों ने सांप पकड़ने वाले एक व्यक्ति को बुलाया |उसनेअजगर को पकड़कर वन कर्मियों को सौंप दिया। शास्त्री मार्केट के किनारे रजबहा है। पीछे की ओर खेत हैं। 16 नवंबर को दोपहर बाद करीब तीन बजे मार्केट में खरीदारी के लिए आया कोई ग्राहक लघु शंका के लिए मार्केट के पीछे खेत में गया तो उसे अजगर दिखाई पड़ा। इस पर उसने लौटकर दुकानदारों को बताया। इस पर दुकानदार एकत्रित होकर पीछे खेत में पहुंचे। वहां पर करीब आठ फुट लंबा अजगर देखकर दुकानदारों के होश उड़ गए।

झांसी का हादसा..शायद अब टूटे अलीगढ़ के सुस्त सिस्टम की नींद

बेसमेंट में वार्ड बनाने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई हो। जिन अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं है उन पर सील लगाई जाए। जहां आग से लड़ने के बंदोबस्त न हों उन सभी नर्सिंगहोम को बंद कराया जाए। बगैर मानक पूरे किए अस्पताल चलाने वालों के खिलाफ मुक. दमा हो। लेकिन यह सब होगा तभी जब अधिकारियों को कमियां नजर आएंगी।झांसी मेडिकल कालेज में आग लगने से हुई 10 बच्चों की मौत से शायद सो रहे सिस्टम की नींद टूट जाए। अफसर अस्पतालों में सुरक्षा के मानक चेक करने निकलें। शासन से भी लंबे चौड़े आदेश जारी हों। इन सब आदेश निर्देशों के शोर के बीच अलीगढ़ के भी सुस्त सिस्टम की नींद टूट ही जाएगी। हो सकता है बेसमेंट में वार्ड बनाने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई हो। जिन अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं है उन पर सील लगाई जाए। जहां आग से लड़ने के बंदोबस्त न हों उन सभी नर्सिंगहोम को बंद कराया जाए। बगैर मानक पूरे किए अस्पताल चलाने वालों के खिलाफ मुकदमा हो। लेकिन यह सब होगा तभी जब अधिकारियों को कमियां नजर आएंगी। मगर यहां तो अधिकारी केवल अच्छा–अच्छा ही देखते हैं और सब कुछ ठीक है कहकर लौट आते हैं।....इसकी वजह आप भी जानते हैं और हम भी। अलीगढ़ में 200 अस्पतालों पर नहीं है फायर की एनआ. सी लापरवाही की भी हद है। अलीगढ़ में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में जो अस्पताल पंजीकृत हैं उनकी संख्या 450 है लेकिन 200 के पास फायर ब्रिगेड की एनओसी ही नहीं है। इससे साफ है कि यह अस्पताल सुरक्षा के मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं। जबकि फायर ब्रिगेड विभाग द्वारा इन अस्पतालों को कई दफा नोटिस जारी किए जा चुके हैं। लेकिन दमकल विभाग के अधिकारी भी केवल नोटिस–नोटिस खेलने में ही लगे हुए हैं। वह भी इससे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। 450 अस्पतालों में से केवल 250 पर ही एनओसी होना साफ बताता है कि अस्पतालों के मानकों में भारी गोलमाल है। नियम व शर्तों को माना ही नहीं जा रहा है। कई अस्पताल तो बेसमेंट तक में चल रहे हैं। जबकि दिल्ली की घटना के बाद अधिकारियों ने चेकिंग की थी। कुछ दिन तो हल्ला मचा बाद में सब शांत हो गए। इस बार भी ऐसा ही होगा। झांसी की घटना को लेकर सभी अस्पतालों में जांच कराई जाएगी। अफसर पहुंचेंगे और सब कुछ ओके बताकर लौट आएंगे।12 अस्पतालों के बेसमेंट में वा. र्डनोएडा की घटना के बाद प्राधिकरण और प्रशासन ने बेसमेंट में संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की थी। उस वक्त बारह अस्पताल भी ऐसे थे जिनकी ओपीडी या वार्ड बेसमेंट में थे। उस वक्ता दावा किया गया था कि इन सभी अस्पतालों को बंद करा दिया गया है। लेकिन कुछ दिन के बाद से ही यह अस्पताल फिर से शुरू हो गए थे। लेकिन अधिकारी फिर भी खामोश हैं। शायद इन्हें भी किसी बड़े हादसे का इंतजार है। बेसमेंट में अस्पताल नहीं चल सकते। यह सब सुरक्षा मानकों के खिलाफ है। लेकिन फिर भी अधिकारी आंखें मूंदे हैं। अब शायद इस बिंदु पर फिर से अधिकारी चेकिंग चेकिंग करेंगे।15 नर्सिंग होम चल रहे तंग गलियों में, नहीं पहुंच सकतीं फायर ब्रिगेड अलीगढ़ महानगर में 15 नर्सिंग होम ऐसे हैं जो तंग गलियों में चल रहे हैं। हादसा होने पर यहां फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी नहीं पहुंच सकती है। इससे साफ है कि यह अस्पताल सुरक्षा के मानकों को पूरा नहीं करते लेकिन फिर भी धड़ल्ले से इनका संचालन हो रहा है। अग्निशमन अधिकारी बन्ना देवी संजीव कुमार सिंह का कहना है कि इन अस्पतालों की रिपोर्ट सीएमओ को भी दे दी गई है। कई बार नोटिस भी जारी किए गए लेकिन नतीजा सिफर ही रहा। तंग गलियों में चलने वाले अस्पताल ऊपरकोट, जीटी रोड, देहली गेट, खैर बाईपास, सासनी गेट और एटा चुंगी इलाके में हैं। कुछ अस्पताल तो ऐसी गलियों में चल रहे हैं कि वहां अगर एक साथ दो बाइक निकलने लगें तो टकरा जाएं।प्रशिक्षित स्टॉफ तक नहीं जिन अस्पतालों के पास आग से लड़ने के संसाधन हैं वहां प्रशिक्षित स्टॉफ तक नहीं है। अग्निशमन यंत्र को कैसे चलाया जाए यह उन्हें पता ही नहीं होता है। आग लगने पर सबसे पहले क्या करें उन्हें बताया ही नहीं गया होता है। होना तो यह चाहिए कि बड़े संस्थानों में रेत भी होना चाहिए। इससे आसानी के साथ आग को काबू किया जा सकता है। लेकिन कई जगह से लड़ने के संशाधन ही नहीं होते।सभी को नोटिस दिए जा रहे हैं अलीगढ़ के एफएसओ संजीव कुमार सिंह का कहना है कि जिन अस्पतालों के पास एनओसी नहीं है उन सभी को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अगर यह जल्द ही सुरक्षा के मानकों को पूरा नहीं करेंगे तो इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।मानकों को पूरा न करने वाले अस्पतालों पर होगी कार्रवाई सीएमओ डा. नीरज त्यागी का कहना है कि जिन अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं है उन्होंने आवेदन कर रखा है। जल्द ही सारी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मानकों को चेक करने के चेकिंग करेगी। जो भी कमियां होंगी उन्हें पूरा कराया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे किनारे टप्पल–हाथरस में बसेंगे नए शहर, यीडा ने तैयार किया यह मास्टर प्लान

यीडा के मास्टर प्लान फेज–दो में टप्पल अर्बन सेंटर के अलावा मल्टी मॉडल ला. जिस्टिक हब भी प्रस्तावित है। लॉजि. स्टिक हब के लिए जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव पूर्व में ही अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजा जा चुका है। टप्पल –बाजना अर्बन सेंटर के लिए यीडा ने दो भागों में कुल 1512.6383 हेक्टेयर भूमि अर्जन करने का प्रस्ताव भेजा है। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की यमुना एक्सप्रेसवे से सटे अलीगढ़ जिले के टप्पल और हाथरस में नया शहर बसाने की तैयारी है। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। यहां लॉजिस्टिक हब बनाने के लिए पहले से ही तैयारी चल रही है और इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।पहले चरण में आगरा में अर्बन सेंटर बनाने का कार्य चल रहा है। दूसरे चरण में अलीगढ़ के टप्पल, मथुरा के बाजना और हाथरस में नया शहर बसाने की योजना है। शुरुआती दौर में मथुरा जिले के राया व अलीगढ़ में टप्पल–बाजना में अर्बन सेंटर को ही नियोजित किया जाएगा। शेष अधिसूचित क्षेत्र अभी हरित श्रेणी में शामिल हैं। इससे उद्योगों के साथ आवासीय, वाणिज्यक व संस्थागत गतिविधियों को गति मिलेगी। सिटी मजिस्ट्रेट व भूमि अध्याप्ति अधिकारी रामशंकर ने बताया कि यीडा के मास्टर प्लान फेज–दो में टप्पल अर्बन सेंटर के अलावा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब भी प्रस्तावित है। लॉजिस्टिक हब के लिए जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव पूर्व में ही अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजा जा चुका है। टप्पल –बाजना अर्बन सेंटर के लिए यीडा ने दो भागों में कुल 1512.6383 हेक्टेयर भूमि अर्जन करने का प्रस्ताव भेजा है। विभाग चिन्हित जमीन के गाटा मिलान में जुट गया है। प्रस्ताव में कई गाटा ऐसे भी हैं, जो पूर्व में ही यमुना एक्सप्रेस–वे के लिए अधिगृहित हो चुके हैं। अब यीडा की ओर से संशोधित प्रस्ताव भेजा गया है।अलीगढ़ जिले की टप्पल पंचायत में यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अर्बन सेंटर का निर्माण होगा। नामित एजेंसी के माध्यम से चिह्नित भूमि के सामाजिक समाघात निर्धारण (एसआइए) के लिए एजेंसी नामित करने की मांग की गई है। इसके माध्यम से परियोजना के सामाजिक, आर्थिक प्रभाव के आंकलन के साथ अन्य ब्योरा एकत्र किया जाएगा।– रामशंकर, सिटी मजिस्ट्रेट व भूमि अध्याप्ति अधिक. ारीमुख्य बिंदुअर्बन सेंटर, मल्टी लॉजि. स्टिक हब, एविएशन हब के निर्माण से विकास को पकड़ेगा रफ्तार811.4348 हेक्टेयर जमीन लॉजिस्टिक हब के लिए701.1035 हेक्टेयर जमीन विकसित होने जा रहे अर्बन सेंटर के लिए कुल1512.6383 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा लॉजिस्टिक हब और अर्बन सेंटर के लिएअलीगढ़ जिले के श्यारौल व डोरपुरी में लाजिस्टिक पार्क विकसित किया जाना भी है प्रस्ता. वितदोनों गांव में कुल 165 हेक्टेयर भूमि की गई है चिह्नित गुरुग्राम, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, दिल्ली, गाजियाबाद, एनसीआर में भीड़ कम करने व नौकरी, व्यापार को बढ़ावा देना है मकसदनोएडा की गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी को सर्वे की मिली है जिम्मेदारी, दो महीने में तैयार कर देनी होगी सर्वे रिपोर्ट

मेडिकल अफसर को सांप ने डसा, चल रहा उपचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय की इमरजेंसी मेडिकल अफसर डॉ. चौतन्या को शनिवार शाम को सांप ने डस लिया। उन्हें दीनदयाल अस्पताल में लाया गया, जहां से मलखान सिंह जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां के भी डॉक्टरों ने डॉ. चौतन्या की हालत नाजुक होने पर जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार चल रहा है। शाम करीब 5 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय परिसर में बने सरकारी आवास में डॉ. चौतन्या किचन में चाय बना रही थी, तभी सांप ने उनके बाएं पैर में डस लिया। उन्हें लगा कि किसी कीड़े ने काट लिया है। करीब 1 घंटे के बाद उन्होंने अपने पैर को देखा तो उसमें सांप के दो दांत के निशान थे। उन्हें पूरा यकीन हो गया कि सांप ने डस लिया। उन्होंने फौरन फोन करके अपने ड्राइवर को बुलाया। कार में बैठकर दीनदयाल अस्पताल गईं, लेकिन उन्हें रेफर कर दिया गया। इसी बीच उनके भाई कमलदीप सिंह पहुंच गए। उन्हें मलखान सिंह जिला अस्पताल ले गए जहां के डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में उन्हें भर्ती कर लिया गया और इलाज शुरू हो गया।

पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाला

थाना क्वार्सी क्षेत्र की महिला ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि पति ने तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। उसका गला दबाकर मारने का प्रयास भी किया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। महिला ने बताया कि 21 जून 2020 को सासनीगेट इलाके के भुजपुरा निवासी अकील से शादी हुई थी। निकाह में मिले दहेज से ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे। अतिरिक्त दहेज के रूप में दो लाख रुपये व 100 वर्ग गज प्लॉट की मांग करने लगे। दो साल पहले ससुरालवालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। थाना पुलिस ने बताया कि पुलिस ने अकील व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कल बंद होगा चुनाव प्रचार, अंतिम दिन प्रत्याशी झोंकेंगे ताकत, 20 को होगा मतदान

अलीगढ़ की खैर विधानसभा में 20 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार 18 नवंबर शाम को थम जाएगा। प्रचार के अंतिम दिन प्रत्याशी व समर्थक अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे व मतदाताओं को रिझाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे |उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि प्रत्याशी बिना किसी शोर–शराबे के 19 नवंबर शाम तक घर–घर जाकर मतदाताओं से जनसंपर्क कर सकेंगे। खैर उपचुनाव में भाजपा, सपा, बसपा समेत पांच प्रत्याशी आमने–सामने हैं।

इस मंदिर में दी जाती थी बच्चों की बलि! घने जंगल में विराजमान हैं मोरा माता

दौसा. राजस्थान में अनेक धार्मिक स्थल है और धार्मिक स्थलों की अलग–अलग कहानियां सुनने को मिलती हैं. लेकिन दौसा जिले के घूमना गांव में स्थित मोरा माता मंदिर की कुछ अलग ही कहानी है. यहां पर नवरात्रि में दुर्गाष्टमी पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. मंदिर में मूर्ति सैकड़ों साल पुरानी की बताई जाती है. सैकड़ों साल पहले उस समय मंदिर का छोटा सा रूप बताया जाता है. पहले जिस जगह पर मंदिर बना हुआ था उसी के आसपास 2 गांव बसे हुए थे. इसमें एक गढ़ोली बड़ागांव था तो दूसरा घूमना छोटा गांव बताया जाता है. इन्हीं के माधो में सागर बांध की नहर के किनारे पर मोरा माता का एक छोटा सा स्थान बना हुआ था. लेकिन उस छोटे से स्थान पर बच्चे की बलि चढ़ाने का दावा भी लोग करते हैं. लेकिन अब काफी समय से माता की बलि चढ़ाने की रोक लग गई है.पुजारी चौथी लाल भगत और दर्जनों लोगों का कहना है कि अब जिस स्थान पर मंदिर बना है उस जगह पर सैकड़ों वर्षों पहले ढाई महीने के बच्चे की बलि चढ़ाई जाती थी. तभी पुजारी के द्वारा एक बच्चे

को बलि चढ़ाने के लिए यहां पर लाया गया था. लेकिन लोगों का विरोध के चलते बच्चे को नीचे छिपा दिया और पुजारी विरोध के कारण मंदिर से चला गया. विरोध करने वाले लोगों ने बच्चे को ढूंढना शुरू किया और बच्चा नहीं मिला तो किसी व्यक्ति ने एक मंदिर के पीछे छाबड़ा रखा हुआ था उसे उठाया तो उसके नीचे से बच्चे के रूप में मोर बन कर उठ गया तभी से माता की मान्यता बढ़ी और तभी से बलि चढ़ाने पर रोक लग गई. हालांकि, लोकल 18 इस तरह के दावों की पुष्टि नहीं करता. बलि की रोक के बाद माता का बनाया मंदिर स्थानीय लोगों ने बताया कि जब से बलि चढ़ाने पर रोक लगी है और बच्चे को मोर बनकर उड़ाया तबसे माता की मान्यता अधिक हो गई और स्थानीय लोगों द्वारा ही माता का मंदिर भी बनाया गया है जिसने अब भव्य रूप ले लिया है. माता के मंदिर के आसपास धर्मशाला सामुदायिक भवन का निर्माण भी हुआ है. जिनमें लोग आराम से उठते बैठते हैं. चंद्रगुप्त मौर्य की मां का नाम था मोरा चंद्रगुप्त मौर्य का गढ़मोरा से नाता रहा है और उनकी मां का नाम मोरा था और मोरा नाम होने के कारण मोरा माता नाम हुआ. वहीं घूमना गांव जब स्थापित हुआ तो अपने कुल देवता देवी की स्थापना की गई. गुनावत गोत्र होने के कारण मोरा माता की स्थापना घूमना गांव में की गई तभी से लगातार गुनावत गोत्र के लोगों का आना जाना लगा रहता है और यहां सर्वाधिक गुनावत गोत्र के ही लोग निवास करते हैं.दुर्गाष्टमी पर होता है भव्य आयोजन मोरा माता सेवा समिति के संरक्षक शिव जी अध्यक्ष योगेंद्र मीणा, जय सिंह, टीकम चंद, राहुल मुनीम, पिंटू मीणा, देशराज, पवन, मनीष, शिवराम, केशराम सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मोरा माता मंदिर पर दुर्गाष्टमी की शाम को भव्य आयोजन होता है. यहां मोरा माता सेवा समिति के द्वारा आयोजन किया जाता है. सेवा समिति के द्वारा कनक दंडवत करने वाले श्रद्धालुओं को दूध और केले का प्रसाद भी वितरण किया जाता है. जिसमें मिट्टी के कुल्लड़ में यह दूध दिया जाता है जो बहुत ही स्वादिष्ट होता है अब यह कार्यक्रम लगातार अपना रूप बदलता जा रहा है और भव्य होता जा रहा है.

मार्गशीर्ष मास का पहला प्रदोष व्रत कब? उज्जैन के आचार्य ने बताया महत्व

उज्जैन. हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है. यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित माना जाता है. मान्यता है कि इस खास दिन पूजा–अर्चना करने से भगवान शिव की कृपा से सुख–समृद्धि और जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है. दरअसल, एक महीने में 2 प्रदोष व्रत होते हैं. इस दिन सुबह से शाम तक व्रत किया जाता है और विधि–विधान से पूजा–अर्चना करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है. उज्जैन के पंडित आनंद भारद्वाज ने नवंबर के अंतिम प्रदोष व्रत की महिमा बताई.नवंबर में कब रखा जाएगा प्रदोष व्रतवैदिक पंचांग के अनुसार, हर महीने की तरह नवंबर में भी दो प्रदोष व्रत पड़ेंगे. नवंबर महीने का दूसरा प्रदोष व्रत मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन रखा जाएगा. यह प्रदोष व्रत मार्गशीर्ष मास का पहला प्रदोष व्रत भी होगा. ऐसे में नवंबर का दूसरा प्रदोष व्रत 28 नवंबर 2024 को गुरुवार के दिन रखा जाएगा. शाम 6रू23 से लेकर रात 8 बजे तक पूजा का शुभ समय है. पंडि. तजी ने बताया कि अगर आप इस शुभ मुहूर्त में शिव पूजन करेंगे तो व्रत का पूर्ण फल मिलेगा.प्रदोष व्रत का महत्वशिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रदोष व्रत सबसे उत्तम माना जाता है. इसका व्रत करने से और विधिवत भगवान शिव की प्रदोष काल में उपासना करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है. साथ ही प्रदोष व्रत करने से साधक को हर प्रकार के कष्ट से मुक्ति मिलती है.इन नियमों का पालन करें प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रत का संकल्प लें. इसके बाद पूजा स्थल की अच्छे से सफाई करके भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें. शिव परिवार का पूजन करें और भगवान शिव पर बेल पत्र, फूल, धूप, दीप आदि अर्पित करें. फिर प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें. पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती करें और शिव चालीसा का पाठ जरूर करें. इसके बाद ही अपना उपवास खोलें.

प्रेमानंद जी ने बताया वृंदावन जाकर जरूर करें एक दिन का उपवास, पुण्य फलों की होगी प्राप्ति

प्रेमानंद महाराज वृंदावन के रहने वाले ऐसे संत है जिनका हर कोई भक्त है. उनके प्रवचन और कथन से हर कोई प्रेरित है. देशभर से लोग उनसे मिलने आते हैं. बताया जाता है कि 5वीं कक्षा से ही उनका मन आध्यात्म की ओर बढ़ने लगा था. उन्होंने 13 साल की उम्र में ब्रह्मचारी बनने का फैसला किया और अपना घर छोड़कर संन्यासी बन गए. प्रेमानंद महाराज वृंदावन में राधारानी और श्रीकृष्ण की सेवा में लगे रहते हैं. सोशल मीडिया पर इन दिनों उनके चाहने वालों की संख्या दिनों–दिन बढ़ती जा रही है. राधा–रानी के दर्शन को पहुंच रहे लाखों भक्तों को प्रेमानंद महाराज ने एक संदेश दिया है. उनका कहना है कि लोग वृंदावन तो आते हैं, लेकिन कुछ गलतियों के चलते दर्शन का पूरा लाभ नहीं उठा पाते. ऐसे में प्रेमानंद महाराज का कहना है कि जो लोग वृंदावन आते हैं, उन्हें पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए. वृंदावन जाने से पहले जान लें क्या करें और क्या नहीं प्रेमानंद महाराज के अनुसार जो लोग वृंदावन आते हैं उन्हें राधा रानी का नाम जरूर जपना चाहिए. इससे सारे कष्ट दूर हो जाते है.प्रेमानंद महाराज के अनुसार जो लोग दो दिन के लिए ही वृंदावन आते हैं उन्हें कम से कम एक दिन का उपवास जरूर रखना चाहिए. इससे पुण्य की प्राप्ति होती है. प्रेमानंद महाराज के अनुसार जो लोग वृंदावन आकर ये गलतियां करते हैं उन्हें सर पाप चढ़ता है और सारा यश नष्ट हो जाता है. ऐसा व्यक्ति पाप का भागी बनता है.प्रेमानंद महाराज के अनुसार जो लोग वृंदावन आते हैं उन्हें वृंदावन में गंदगी नहीं फैलानी चाहिए. ये एक पवित्र स्थान है जिसकी गरिमा बनाकर रखनी चाहिए. बता दें कि प्रेमानंद महाराज के मुताबिक जो लोग वृंदावन आते हैं उन्हें व्यसन यानी मादक पदार्थ, शराब आदि का सेवन करने से बचना चाहिए. प्रेमानंद महाराज के अनुसार जो लोग वृंदावन आते हैं उन्हें यमुना किनारे बैठकर सत्संग जरूर करना चाहिए. इससे व्यक्ति को भगवान के करीब महसूस होता है.

1000 साल पुरानी हनुमानजी की मूर्ति, यहां है मन्नतों का घर और कष्टों का नाश करने वाली शक्ति!

बनासकांठा गुजरात के बनासकांठा जिले में कई चमत्कारी और पौराणिक मंदिर स्थित हैं, जो आस्था और रहस्यमय कथाओं से भरे हुए हैं. इन्हीं में से एक है डीसा तहसील के वरना–जेणल गांव में स्थित प्राचीन भीनमालिया हनुमान मंदिर. यह मंदिर सदियों पुरानी आस्था और चमत्कारी मान्यताओं का प्रतीक माना जाता है. यहां हनुमान जी की 1000 साल पुरानी मूर्ति विराजमान है और इससे जुड़ी एक रोचक ऐतिहासिक कथा इसे और भी खास बनाती है.भाई दूज का विशेष मेला समाजसेवी दिनेशभाई नाई बताते हैं कि हर साल भाई दूज के दिन यहां बड़ा मेला लगता है, जिसमें सभी जाति–धर्म के लोग बिना किसी भेदभाव के शामिल होते हैं. इस दौरान भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं. भक्त अपनी मन्नत पूरी होने के बाद यहां दर्शन करने आते हैं और स्वयं को धन्य महसूस करते हैं.मंदिर का इतिहास और पौराणिक कथा भीनमालिया हनुमान मंदिर का इतिहास प्राचीन पिंगलगढ़ नगर से जुड़ा है, जो माना जाता है कि वर्तमान बस्ती के नीचे दबा हुआ है. कहा जाता है कि रा. जस्थान के भीनमाल की एक जैन समाज की बेटी अपने ससुराल जाते वक्त लुटेरों से बचने के लिए हनुमानजी से प्रार्थना करती है. मान्यता है कि हनुमानजी स्वयं उसकी रक्षा के लिए आए और इस स्थान पर विश्राम करने के बाद यहीं स्थापित हो गए. आज इस स्थान को मंदिर के रूप में पूजा जाता है.आस्था का प्रमुख केंद्र लोकल 18 से बात करते हुए मंदिर के पुजारी विनोदभाई गोस्वामी ने जानकारी दी, यहां हनुमानजी की मूर्ति पहले एक पेड़ के नीचे विराजमान थी. कालांतर में यहां मंदिर का निर्माण किया गया, जो आज एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बन चुका है. हर शनिवार और मंगलवार, दूर–दूर से भक्त यहां दर्शन करने आते हैं. माना जाता है कि यह मंदिर न केवल मन्नतें पूरी करता है, बल्कि कष्टों को भी दूर करता है.

भीनमालिया हनुमान मंदिर, जो 1000 साल पुराना है, प्राचीन पिंगलगढ़ नगर से जुड़ा हुआ है. यहां हनुमानजी की चमत्कारी मूर्ति स्थापित है, जिसे मान्यता प्राप्त है. यह मंदिर मन्नतें पूरी करने और पीड़ितों को राहत देने के लिए प्रसिद्ध है, और यहां हर साल बड़ा मेला लगता है.

नवंबर का ये दिन, मनाई जाएगी उत्पन्ना एकादशी? भगवान विष्णु से है पर्व का खास नाता

सनातन धर्म में व्रतों का बहुत महत्व माना गया है. इन व्रतों में हर महीने आने वाली एकादशी को सबसे ज्यादा फल देने वाला माना गया है. अब भगवान श्रीकृष्ण को सर्वाधिक प्रिय मार्गशीर्ष मास शुरू हो चुका है. इस मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को उत्पन्ना एकादशी कहते हैं. कहते हैं कि इस व्रत को करने से जातकों को मुंहमांगे फलों की प्राप्ति शुरू हो जाती है और शरीर भी सेहतमंद होता है. उतपन्ना एकादशी को कई नामों से जाना जाता है. इसे उत्पत्तिका, उत्प. न्ना, प्राकट्य और वैतरणी एकादशी भी कहा जाता है. इस महीने उत्पन्ना एकादशी 26 नवंबर 2024 यानी मंगलवार को है. कहते हैं कि इस व्रत के फल से अनगिनत फलों की प्राप्ति होती है. उत्प. न्ना एकादशी यानी मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी की बात की जाए तो यह 26 नवंबर 2024 को तड़के 1 बजकर 1 मिनट से शुरू होकर 27 नवंबर 2024 को तड़के 3 बजकर 47 मिनट पर समाप्त हो जाएगी. इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का शुभ मुहूर्त 26 नवंबर को सुबह 9.31 बजे से दोपहर 1. 27 बजे तक होगा. जबकि इस व्रत का पारण 27 नवंबर को दोपहर 1.12 बजे से दोपहर 3.18 बजे तक किया जाएगा.पा. ैराणिक कथाओं के मुताबिक, एक वक्त की बात है. पृथ्वी लोक पर अत्याचार कर रहे मुर नामक राक्षस के आतंक से लोगों को बचाने के लिए भगवान विष्णु का उससे युद्ध हुआ. यह युद्ध काफी लंबा चला, जिसमें भगवान विष्णु काफी थक गए. वे विश्राम करने के लिए बद्रिकाश्रम की गुफा में चले गए. तभी उनका पीछा करते हुए राक्षस मुर भी वहां पहुंच गया और सोते हुए भगवान विष्णु को मारना चाहा. इस दौरान त्रिलो. कीनाथ के शरीर से एक देवी प्रकट हुई और उसने राक्षस का अंत कर दिया. ऐसे हुई उत्पन्ना एकादशी की शुरुआक. हते हैं कि यह घटना मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को हुई थी. उस देवी के तेज और पराक्रम से भग. वान विष्णु बेहद प्रभावित हुए. उन्होंने उस देवी का नाम एकादशी रख दिया. चूंकि वे श्री हरि के शरीर से उत्पन्न हुई थीं, इसलिए बाद में उन्हें उत्पन्ना एकादशी कहा गया

जीवन में करना चाहते हैं तरक्की तो तुरंत छोड़ दें ये 5 आदतें, वरना गरीबी के रहेंगे शिकार कर्जे वाले नहीं छोड़ेंगे पीछा

सनातन धर्म में जीवन में सुख–समृद्धि के लिए कई उपाय बताए गए हैं. लेकिन काफी लोग उन उपायों के बारे में जानते नहीं हैं, इसलिए वे अक्सर उनका लाभ नहीं ले पाते. आज हम आपको 5 ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाने पर दरिद्रता अपने आप आपके घर की ओर खिंची चली आती है. ऐसे में इन आदतों को जितना जल्दी हो सके, छोड़ देना चाहिए वरना कंगाल होते देर नहीं लगती है. ज्योतिष शास्त्र में झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है. लिहाजा शाम के बाद उसे भी आराम देना चाहिए. अगर रात में झाड़ू लगाते हैं तो इससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं, जिससे आपके घर का धन–संपत्ति धीरे–धीरे खत्म होने लग जाते हैं और आप दरिद्रता में फंस जाते हैं. शास्त्रों के मुताबिक, सूर्य ढलने के बाद किसी भी व्यक्ति को न तो उधार देना चाहिए और न ही लेना चाहिए. अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे धनहानि की आशंका बननी शुरू हो जाती है. साथ ही आप पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है. ऐसा करने से आप तनाव में भी आ सकते हैं. रसोई में झूठे बर्तन छोड़ देनारात में भोजन के बाद झूठे बर्तन ऐसे ही छोड़ देना दरिद्रता को बुलावा देने के समान होता है. कहते हैं कि ऐसा करने से मां अन्नपूर्णा नाराज होती हैं और घर में धन–धान्य की कमी होने लगती है. लिहाजा सोने से पहले बर्तनों को साफ करके रखना बहुत जरूरी होता है. रात में कपड़े धोनाज्योतिष शास्त्र में रात में कपड़े अशुभ माना गया है. कहते हैं कि ऐसा करने से घर में नकारात्मकता बढ़ती है और इससे घर की सुख–शांति पर असर पड़ता है. लिहाजा इससे बचना चाहिए. इसके बजाय आप दिन में कभी भी कपड़े धो सकते हैं. जिससे आप इस दिक्कत से भी बच जाएंगे. बिस्तर पर

बैठकर भोजन करना सनातन धर्म के विद्वानों के मुताबिक, कभी भी बिस्तर पर बैठकर भोजन नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से घर में वास्तु दोष उत्पन्न होता है, जिसका असर आपके पूरे जीवन पर पड़ता है. इससे परिवार में नकारात्मकता उत्पन्न होती है और घर के लोगों में कलह होने लगती है

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा